Regarding issues pertaining to electricity in rural Uttar Pradesh

श्री राम प्रसाद चौधरी **(**बस्ती**) :** माननीय सभापति महोदया, मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया ।

हम उत्तर प्रदेश से आते हैं, जो बहुत ही पिछड़ा है । आज भी बिजली विभाग बहुत से गांवों में बाँस-बल्लियों के सहारे बिजली की लाइन पहुँची है । यह गर्मी का दिन है । रबी की फसल बिल्कुल तैयार है । आज के मौसम में कुछ प्रकृति की देन भी है कि हवाएँ तेज चलती हैं । इसके कारण बाँस-बल्लियों से होकर जो बिजली के तार गये हुए हैं, वे तेज हवा के कारण गिरती हैं । सैंकड़ों एकड़ जमीनें, जिनमें गेहूँ की फसल तैयार है, उसमें आग लग जाती है ।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि माननीय कृषि मंत्री जी प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना के बारे में कह रहे थे । पहले उसका एरिया तहसील था, उसके बाद ब्लॉक था, अब इसका एरिया गांव और पंयायत है । पूर्वी उत्तर प्रदेश में, बहुत से गांव-पंचायत ऐसे हैं, जिनमें लगभग आठ-दस मजरे हैं । मैं मांग करता हूँ कि गांवों में जो बाँस-बल्लियों के सहारे बिजली पहुंची है, उसकी व्यवस्था ठीक तरह से की जाए । मैं कृषि मंत्री जी से मांग करता हूँ कि प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना को राजस्व गांव में भी दिया जाए ।